भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1491 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के लिये मास्टर प्लान

1491. श्री काली चरण सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो इसकी विशेषताएं क्या हैं और इस योजना के उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस योजना के लिए कोई मास्टर प्लान तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) मास्टर प्लान में इस योजना के अंतर्गत चयनित स्टेशनों पर विकसित की जाने वाली सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत झारखंड राज्य में चयनित रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

अमृत भारत स्टेशन योजना के लिये मास्टर प्लान के संबंध में दिनांक 04.12.2024. को लोक सभा में श्री काली चरण सिंह के अतारांकित प्रश्न सं. 1491 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्कक वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केनपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 57 स्टेशन झारखंड राज्य में स्थित हैं। झारखंड राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशन
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बड़जमदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुर, डाल्टनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटसिला, गिरिडीह, गोड्डा,

		गोविंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसीडीह, कतरासगढ़, कोडरमा, कुमारडूबी, लातेहर, लोहरदगा, मधुपुर, मनोहरपुर, मुहम्मदगंज, मूरी, एन.एस.सीबी., गोमोह, नगरान्तरी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसावां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची, साहिबगंज, संकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवाई, विद्यासागर

झारखंड राज्य तीन जोनों यथा पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 का आवंटन 1626 करोड़ रुपये है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास सतत् एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं जो पारस्परिक प्राथमिकता और धनराशि की उपलब्धता के अध्यधीन है। बहराल, स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास के लिए कार्य को स्वीकृत और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

*****